भारत सरकार
सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 666
22.07.2026 को उत्तर देने के लिए

राज्यों के बीच खपत क्षमता में अंतर

666. श्री टी. आर. बालू:

क्या सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने हाल ही में उपभोक्ता मूल्यों के संबंध में अध्ययन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या निष्कर्ष निकले हैं;

(ख) सरकारी सर्वेक्षणों के अनुसार विगत तीन वर्षों के दौरान प्रति व्यक्ति औसत मासिक उपभोग व्यय का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह सच है कि राज्यों के बीच उपभोग व्यय और क्रय शक्ति में भारी अंतर है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) राज्यों के बीच उपभोग क्षमता में अंतर को कम करने के लिए नीतिगत हस्तक्षेपों सहित केन्द्र सरकार द्वारा की जा रही कार्रवाइयों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), योजना मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा संस्कृति मंत्रालय राज्य मंत्री (राव इंद्रजीत सिंह)

(क) सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) द्वारा हाल में उपभोक्ता मूल्यों पर कोई विशिष्ट अध्ययन नहीं किया गया है। तथापि, एमओएसपीआई ने नवीनतम घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण (एचसीईएस) 2023-24 का उपयोग करते हुए एक व्यापक आधार संशोधन वर्ष 2012 से वर्ष 2024 करके उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) संकलन ढांचे को सुदृढ़ किया है। सीपीआई परिवारों द्वारा उपभोग की जाने वाली वस्तुओं की कीमतों में उतार-चढ़ाव को मापने का एक तरीका है।

(ख) और (ग): एमओएसपीआई नियमित समय अंतराल पर घरेलू उपभोग व्यय पर सर्वेक्षण करता है जिसमें परिवार द्वारा खाद्य और गैर-खाद्य वस्तुओं के उपभोग पर सूचना एकत्र की जाती है। घरेलू उपभोग व्यय (एचसीईएस) पर नवीनतम सर्वेक्षण अगस्त, 2022-जुलाई, 2023 और अगस्त, 2023-जुलाई, 2024 के दौरान कराया गया है। इससे पहले, जुलाई, 2011-जून, 2012 के दौरान एनएसएस के 68वें दौर में उक्त विषय पर सर्वेक्षण किया गया। वर्ष 2022-23 और 2023-24 के दौरान किए गए एचसीईएस के पिछले दो सर्वेक्षणों से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में प्रत्येक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र हेतु औसत मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय (एमपीसीई) पर सूचना अनुबंध में दी गई है। तथापि, एमओएसपीआई ने राज्यों के बीच उपभोग व्यय और क्रय शक्ति में अंतर पर कोई अध्ययन/सर्वेक्षण नहीं कराया है।

(घ): सरकार ने घरेलू खपत बढ़ाने, क्रय शक्ति को सुदृढ़ करने और राज्यों में समावेशी आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न नीतिगत उपाय किए हैं। इन नीतियों ने आधारभूत संरचना में सार्वजनिक निवेश को बनाए रखा है और इससे रोजगार सृजन और कौशल विकास हेतु निरंतर सहायता मिली है। पीएम मुद्रा योजना और पीएम स्वनिधि जैसी योजनाओं के माध्यम से किफायती ऋण तक पहुँच का विस्तार किया गया है।

प्रधानमंत्री जन धन योजना के माध्यम से वित्तीय समावेशन को सुदृढ़ किया गया है, जिसमें 95 प्रतिशत से अधिक परिवारों के पास बैंक खाता है। सरकार ने यूपीआई लेनदेन हेतु निरंतर शून्य व्यापारी छूट दर (एमडीआर) व्यवस्था के माध्यम से डिजिटल वित्तीय सेवाओं को भी बढ़ावा दिया है। जेएएम (जन धन-आधार-मोबाइल) ट्रिनिटी के माध्यम से सुगम प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण से लाभार्थियों के बैंक खाते में सीधे कल्याणकारी लाभों का सफलतापूर्वक पारदर्शी हस्तांतरण सुनिश्चित हुआ है। इसके अतिरिक्त, आयकर राहत उपायों, जीएसटी दर को तर्कसंगत बनाने, चयनित इनपुट और मध्यवर्ती वस्तुओं पर सीमा शुल्क में कमी और लक्षित कल्याणकारी हस्तक्षेपों से प्रायोज्य आय और घरेलू मांग को बढ़ाने में सहायता की है।

****

अनुबंध

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र और एचसीईएस से क्षेत्र द्वारा औसत मासिक प्रति व्यक्ति खपत व्यय (एमपीसीई): वर्ष 2022-23 और 2023-24

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र /अखिल भारतीय	औसत एमपीसीई (रु.)			
	वर्ष 2022-23		वर्ष 2023-24	
	ग्रामीण	शहरी	ग्रामीण	शहरी
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
आंध्र प्रदेश	4,870	6,782	5,327	7,182
अरुणाचल प्रदेश	5,276	8,636	5,995	9,832
असम	3,432	6,136	3,793	6,794
बिहार	3,384	4,768	3,670	5,080
छत्तीसगढ	2,466	4,483	2,739	4,927
दिल्ली	6,576	8,217	7,400	8,534
गोवा	7,367	8,734	8,048	9,726
गुजरात	3,798	6,621	4,116	7,175
हरियाणा	4,859	7,911	5,377	8,427
हिमाचल प्रदेश	5,561	8,075	5,825	9,223
झारखंड	2,763	4,931	2,946	5,393
कर्नाटक	4,397	7,666	4,903	8,076
केरल	5,924	7,078	6,611	7,783
मध्य प्रदेश	3,113	4,987	3,441	5,538
महाराष्ट्र	4,010	6,657	4,145	7,363
मणिपुर	4,360	4,880	4,531	5,945

मेघालय	3,514	6,433	3,852	7,839
मिजोरम	5,224	7,655	5,963	8,709
नगालैंड	4,393	7,098	5,155	8,022
ओडिशा	2,950	5,187	3,357	5,825
पंजाब	5,315	6,544	5,817	7,359
राजस्थान	4,263	5,913	4,510	6,574
सिक्किम	7,731	12,105	9,377	13,927
तमिलनाडु	5,310	7,630	5,701	8,165
तेलंगाना	4,802	8,158	5,435	8,978
त्रिपुरा	5,206	7,405	6,259	8,034
उत्तर प्रदेश	3,191	5,040	3,481	5,395
उत्तराखंड	4,641	7,004	5,003	7,486
पश्चिम बंगाल	3,239	5,267	3,620	5,775
अंडमान और निकोबार द्वीप	7,332	10,268	7,771	10,453
चंडीगढ़	7,467	12,575	8,857	13,425
दादरा नगर हवेली और दमन और दीव	4,184	6,298	4,311	6,837
जम्मू और कश्मीर	4,296	6,179	4,774	6,327
लद्दाख	4,035	6,215	5,010	7,533
लक्षद्वीप	5,895	5,475	6,350	6,377
पुदुचेरी	6,590	7,706	7,598	8,637
अखिल भारतीय	**3,773**	**6,459**	**4,122**	**6,996**

स्रोतः एनएसएस रिपोर्ट सं. *591* और *592* (घरेलू उपभोग व्यय पर सर्वेक्षण)